

## المحتويات

|   |       |                                      |  |
|---|-------|--------------------------------------|--|
| ٩   | ..... | مقدمة                                |  |
| <h3>القسم الأول</h3> <h3>الصراع على السلطة</h3> |       |                                      |  |
| ١٥  | ..... | الفصل الأول                          |  |
|   |       | أولاً                                |  |
| ١٥  | ..... | ثانياً                               |  |
| ١٩  | ..... | ثالثاً                               |  |
| ٢٢  | ..... | : ما بعد النبوة - فراغ في السلطة     |  |
| ٣٣  | ..... | : صدمة الغياب                        |  |
| ٣٣  | ..... | : الشعور باليتم الجماعي              |  |
| ٣٦  | ..... | : فراغ في السلطة                     |  |
| ٣٣  | ..... | : بين المسلمين : مهاجرون/ أنصار      |  |
| ٣٣  | ..... | : الجماعة والسلطة                    |  |
| ٣٦  | ..... | : جدل السقيفة                        |  |
| ٣٨  | ..... | : ١ - الأنصار وسؤال المكانة          |  |
| ٤٤  | ..... | : ٢ - السلطة لقريش                   |  |
| ٥٠  | ..... | : ٣ - ضغف في رأسمال النصر            |  |
|   |       | : بين المهاجرين :                    |  |
| ٥٥  | ..... | : بنو عبد مناف خارج السلطة           |  |
| ٥٦  | ..... | : أولاً                              |  |
| ٥٦  | ..... | : أبو بكر : رأسمال الصُحبة والسّابقة |  |
| ٦١  | ..... | : ثانياً                             |  |
| ٦١  | ..... | : بيعة وممانعات                      |  |
| ٦٢  | ..... | : ١ - خطاب القرابة                   |  |
| ٧٠  | ..... | : ٢ - بيعة قُصد تأجيل خلاف           |  |

|     |       |  |              |
|-----|-------|--|--------------|
| ٧٥  | ..... | : الشورى وإعادة تكوين السلطة               | الفصل الرابع |
| ٧٧  | ..... | : في الشورى: عوامل الامتناع                | أولاً        |
| ٨٣  | ..... | : «شورى الستة»                             | ثانياً       |
| ٨٥  | ..... | ١ - تقييد الصراع وتنظيمه                   |              |
| ٨٩  | ..... | ٢ - الشورى: التركيبية والآلية              |              |
| ٩٧  | ..... | : حدود الشورى ونتائجها                     | ثالثاً       |
| ٩٨  | ..... | ١ - من الجماعة إلى «أهل الحل والعقد»       |              |
| ١٠٢ | ..... | ٢ - من الشرعية الدينية إلى الشرعية القرشية |              |
| ١٠٩ | ..... | استنتاجات القسم الأول                      |              |

### القسم الثاني التمرد، الفتنة، الانشقاق

|     |       |  |              |
|-----|-------|--|--------------|
| ١١٣ | ..... | : التمرد على الدولة: حروب «الردة»            | الفصل الخامس |
| ١١٣ | ..... | : المركز والأطراف: إعادة تأسيس مركزية الدولة | أولاً        |
| ١١٤ | ..... | ١ - سلطة مُشخصنة                             |              |
| ١١٩ | ..... | ٢ - صراع القبيلة والدولة                     |              |
| ١٢٣ | ..... | : في طبيعة «الردة» ونتائجها                  | ثانياً       |
| ١٢٤ | ..... | ١ - السياسي والديني في حركات «الردة»         |              |
| ١٣٠ | ..... | ٢ - الدولة ودرُسُ القوة                      |              |
| ١٣٥ | ..... | : أزمة الخلافة: من الصراع إلى الثورة         | الفصل السادس |
| ١٣٧ | ..... | : مقدمات الأزمة                              | أولاً        |
| ١٣٩ | ..... | ١ - ميلاد معارضة                             |              |
| ١٥٦ | ..... | ٢ - السياسي والديني والقبلي في الأزمة        |              |
| ١٦٤ | ..... | : استراتيجيات الاحتواء                       | ثانياً       |
| ١٦٥ | ..... | ١ - استيعاب تبريري وتراجع اضطراري            |              |
| ١٦٨ | ..... | ٢ - النطاق الضيق للاستشارة                   |              |
| ١٧٠ | ..... | ٣ - مراكز القوة                              |              |

|     |       |                                       |              |
|-----|-------|---------------------------------------|--------------|
| ١٧٣ | ..... | شُرْخُ فِي هَيْبَةِ الْخِلافةِ :      | الفصل السابع |
| ١٧٥ | ..... | من سقوط الهيئة إلى مقتل الخليفة :     | أولاً        |
| ١٧٦ | ..... | ١ - أزعومة المؤامرة الخارجية          |              |
| ١٧٨ | ..... | ٢ - حِدَّةُ الاجتراء                  |              |
| ١٨٢ | ..... | ٣ - الحصار والمَقْتَلَة               |              |
| ١٨٦ | ..... | التمرد على سلطان علي :                | ثانياً       |
| ١٨٧ | ..... | ١ - تمرد البصرة                       |              |
| ١٩٠ | ..... | ٢ - تمرد الشام                        |              |
| ١٩٣ | ..... | ٣ - تمرد النهروان                     |              |
| ١٩٧ | ..... | أزمة الخلافة : من الثورة إلى الفتنة : | الفصل الثامن |
| ١٩٩ | ..... | الحرب داخل «الطبقة السياسية» :        | أولاً        |
| ٢٠٠ | ..... | ١ - انقسام الصحابة                    |              |
| ٢١٥ | ..... | ٢ - المواجهة                          |              |
| ٢٢٩ | ..... | الصراع على السلطة داخل بني عبد مناف : | الفصل التاسع |
| ٢٣٠ | ..... | الطريق إلى الحرب :                    | أولاً        |
| ٢٣١ | ..... | ١ - عقدة البيعة والطاعة               |              |
| ٢٣٤ | ..... | ٢ - التحريض على الخليفة               |              |
| ٢٣٦ | ..... | ٣ - التخذييل من الداخل                |              |
| ٢٣٨ | ..... | ٤ - الحرب النفسية                     |              |
| ٢٤١ | ..... | الطريق إلى الفتنة :                   | ثانياً       |
| ٢٤٢ | ..... | ١ - التفاوض المستحيل                  |              |
| ٢٤٥ | ..... | ٢ - الحرب الغشوم                      |              |
| ٢٥١ | ..... | الطريق إلى الانقسام :                 | ثالثاً       |
| ٢٥١ | ..... | ١ - من التحكيم إلى الانشقاق           |              |
| ٢٥٧ | ..... | ٢ - نهاية لها بداية                   |              |

## الفصل العاشر

: الفتوح وتدق الثروة:

التغيرات الاجتماعية والقيمية ..... ٢٦٣

أولاً : جغرافية الفتوح ونتائجها - من الدولة إلى الإمبراطورية ..... ٢٦٣

١ - وقائع الفتوح : بنية التنظيم القتالي واستراتيجيات الفتح ..... ٢٦٤

٢ - القابلية الذاتية للفتح ..... ٢٧١

٣ - الحوافز والدوافع ..... ٢٧٣

ثانياً : دولة جديدة ..... ٢٧٩

٢ - طبقة جديدة؟ ..... ٢٨٧

استنتاجات القسم الثاني ..... ٢٩٥

المراجع ..... ٢٩٩

فهرس ..... ٣٠٧